सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-775
28/12/2015

मुख्यमंत्री ने विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

पटना, 28 दिसम्बर 2015 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभाकक्ष में विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में यह निर्णय हुआ कि मुख्यमंत्री के सात निश्चय के अनुपालन के लिये राज्य के सभी जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना होगी, इसके लिये इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट अथॉरिटी के माध्यम से आवश्यक जमीन की पहचान की जायेगी।

बैठक के बाद प्रधान सचिव विज्ञान एवं प्रावैधिकी डॉ0 ई0एल0एस0एन0 बाला प्रसाद ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया कि दरभंगा एवं गया में साइंस सेन्टर एवं पटना में साइंस सिटी परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी लायी जाय। बैठक में यह भी विभाग ने प्रस्ताव दिया कि पटना तारामण्डल के पुराने संयंत्रों के स्थान पर आधुनिक डिजिटल संयंत्र लगाया जा सकता है।

प्रधान सचिव विज्ञान एवं प्रावैधिकी डॉ0 ई0एल0एस0एन0 बाला प्रसाद ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया कि बिहार के शेष ग्यारह जिलों जहॉ पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं हैं, यथा– औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर, बक्सर, सीवान एवं अररिया में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने के लिये जमीन का पहचान किया जाय। इस मामले में मुख्य सचिव अपने स्तर से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश देंगे। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि बिरसैक (बी0आई0आर0एस0ए0सी0) जो तारामंडल में चलता है, के द्वारा सैटेलाइट इमेज के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को आवश्यक डाटा मुहैया कराने के लिये उपयोग किया जाय। रिमोट सेनसिंग के कार्य हेतु बिरसैक को नोडल एजेंसी बनाये जाने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इस कार्य हेतु बिरसैक के सुदृढ़ीकरण करने का निर्देश प्रधान सचिव विज्ञान एवं प्रावैधिकी को दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सभी तकनीकी संस्थानों के प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं के सुदृढ़ीकरण किया जाय।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के अलावे उद्योग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री श्री जयकुमार सिंह, मुख्य सविच श्री अंजनी कुमार सिंह, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, प्रधान सचिव वित श्री रवि मितल, प्रधान सचिव विज्ञान एवं प्रावैधिकी डॉ0 ई0एल0एस0एन0 बाला प्रसाद, मुख्यमंत्री के सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, निदेशक विज्ञान एवं प्रावैधिकी श्री अतुल सिन्हा सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

******